B.A. in Applied Hindi/अनुप्रयुक्त हिन्दी में स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(BAAHD)

सत्रीय कार्य
(जनवरी, 2023 सत्र के लिए)

BSKE-143 संस्कृत परंपरा में दर्शन, धर्म और संस्कृति

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

अनुप्रयुक्त हिंदी में स्नातक उपाधि
सत्रीय कार्य (जनवरी, 2023)

पाठ्यक्रम कोड : BSKE–143/2023

प्रिय छात्र/छात्राओं

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश :– सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दायें सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : ——————————

नाम : ——————————

पता : ——————————

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : ——————————

सत्रीय कार्य कोड : ——————————

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : ——————————

दिनांक : ——————————

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययन : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए।

2. अभ्यास : उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए, और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति :** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजि,।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है, अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जनवरी 2023 सत्र के लिए : 31 अक्टूबर, 2023

सत्रीय कार्य

BSKE–143 संस्कृत परंपरा में दर्शन, धर्म और संस्कृति

कार्यक्रम कोड – **BAAHD**
पाठयक्रम शीर्षक – **संस्कृत परंपरा में दर्शन, धर्म और संस्कृति**
सत्रीय कार्य – **BSKE-143 /TMA 2023**

पूर्णांक – 100
नोट – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

विशेषः इस सत्रीय कार्य में कुल 12 प्रश्न है। किन्हीं 10 प्रश्नों का उत्तर लिखें। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक है।

1. भारतीय दर्शन की विशेषताओं का विस्तारपूर्वक वर्णन करें ?
2. भारतीय दर्शन के तत्व कौन–कौन से है उन पर विस्तारपूर्वक लिखें ?
3. धर्म शब्द का अर्थ बताते हुए उसके स्वरूप और प्रकारों पर प्रकाश डालें ?
4. भारतीय संस्कृति में कर्म की अवधारणा क्या है उसे स्पष्ट करते हुए उसके प्रकारों का विस्तारपूर्वक वर्णन करें ?
5. संस्कार शब्द के अर्थ को स्पष्ट करते हुए षोडश संस्कारों पर विस्तृत निबन्ध लिखें ?
6. पुरुषार्थ की अवधारणा पर प्रकाश डालें ?
7. पुरुषार्थ चतुष्ट्य के महत्व का वर्णन करों ?
8. बहुसांस्कृतिक समाज का वर्णन विस्तारपूर्वक करें ?
9. भारतीय संस्कृति के मूल तत्व कौन–कौन से हैं उनका विस्तृत निबंध लिखें ?
10. गीता के अनुसार स्वधर्म और कर्मयोग क्या हैं इसे स्पष्ट करें ?
11. प्रकृति के तीन गुण कौन–कौन से हैं व्यक्तित्व पर उसका क्या प्रभाव पड़ता हैं ?
12. त्रिवधकर्म पर निबंध लिखें ?